SHAH TIMES 23 NOV 08

वैज्ञानिक तकनीक से फैलेगा योग

नई दिल्ली। ईशा फाउंडेशन सतगुरू जगी वासुदेव के अनुसार खुशी जीवन की ऊर्जा की अभिव्यक्ति है और हम सभी ने अपनी खुशी के स्रोत बनाने की क्षमता होती है। हर आदमी खुश रहना चाहता है, किन्तु उसकी खुशी परिवार, संबंधों, व्यवसाय व अन्य बाहरी कारकों पर निर्भर करती है, जबकि ऐसी खुशी अक्सर क्षणिक तथा कमजोर साबित होती है। हाल ही में समाप्त इंडियन इकोनोमिक समिट में सतगुरू जगी वासुदेव ने जोर दिया है कि आंतरिकतौर पर यानी प्रकृति से अलग अगर कोई व्यक्ति खुश रहता है, तो ही वह अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कर सकता है। लोगों में इस प्रकार की क्षमता व सजगता उत्पन्न करने को ही ईशा फाउंडेशन ने आनंद लहर नामक एक आंदोलन चलाया है, जिसकी शुरूआत कल राजधानी से हुई। इस लहर के सात दिवसीय कार्यक्रमों की सिरीज के द्वारा योग के प्राचीन सिद्धांतों पर आधारित वैज्ञानिक तकनीक से कार्यक्रम कराया जाएगा।